

Monitoring and giving feedback: Upper Primary Language and Literacy

English (with Hindi)

Commentary:

In this upper primary language class, the teacher uses monitoring and feedback techniques throughout the lesson.

Teacher: जच्चा गातें हैं. कोई सुनाएगा, गाके बताएगा? आप सुनायेंगी? सुनाइए बेटा.

Student 1: लाला जन्मे सुने आई, यशोदा मैया दे दो बधाई.

Teacher: वैरी गुड, वैरी गुड, शाबाश. क्या बात है. बहुत बढ़िया. वैरी गुड.

Commentary:

The teacher asks the students to work in groups to translate regional folk songs from their home languages into the school language.

Student 2: मुझे अपने से परायी..

Student 3: वो अपने पति से बोलती है

Student 1: उसने कहा सोने की औरत बना दो

Student 4: पत्नी, सोने की पत्नी

Student 5: नहीं, इसमें औरत लिखा है ना.

Commentary:

Notice how the teacher monitors her students' learning through quiet observation. She judges carefully when to intervene. This should only be to support or challenge students.

Student 6: सगे भैया को जहर न पिलइयो, पिया वचन मान जइयो.

Teacher: अब जब हम अनुवाद करेंगे तो कैसे गायेंगे इसको?

Student 6: सगे भाई को जहर मत पिलाओ, पिया वचन मान जाओ.

Teacher: गाके बताओ

Students: सगे भैया को जहर ना पिलाना, पिया वचन मान जाना.

Teacher: सगे भैया को जहर ना पिलाना, पिया वचन मान जाना.

Student 7: मैम वचन का मतलब मेरी बात मान जाना

Teacher: हाँ हैं न? और फिर ऐसे पूरा करो इसको आप. इसी तरह से कि हम गा भी सकें उसको.

Commentary:

In this next lesson, the class is working in groups to practise debating the topic of water conservation.

Student 8: जैसे, किसी किसी के घर में मोटर होती है तो वो पानी ज्यादा बहता है. उसको पानी नहीं बहाना चाहियें.

Commentary:

The teacher encourages her students to communicate effectively with one another.

Teacher: आपने जो बात की है वो इन्हें बताइए, इन्होंने जो बात की है वो आपको बताएँगे .

Student 9: हमें बाल्टी में भरकर नहाना चाहिए.

Student 10: हमको मुह धोते समय गिलास में पानी रखना चाहियें, नल नहीं खोले रहना, नल नहीं खोलना चाहियें.

Student 11: जब पानी गिरता है न तो वो इतनी जोर से नीचे गिरता है, उसमें हमें टब या बाल्टी कुछ भी लगा देना चाहिए.

Student 12: पानी से हम बर्तन धोते हैं ना वो पानी हमें पेड़ पौधों में दाल देना चाहिए. व्यर्थ बहाना नहीं चाहिए.

Teacher: हमने पढ़ा था कि प्रथ्वी एक गुल्लक होती है जैसे हम लोग पैसा जमा करते हैं न, वैसे प्रथ्वी को हम गुल्लक उपयोग कर सकते हैं न? पानी ज्यादा से ज्यादा धरती में समा जाए. इसके लिए हम क्या कर सकते हैं?

Students: पानी गिरता है तो हमें बाल्टी या टब लगा देना चाहियें.

Teacher: हाँ, पानी, जो बारिश का पानी आता है उसका कैसे हम संग्रह कर सकते हैं?

Commentary:

Another useful monitoring technique is to ask each group in turn to share what they have discussed with the class. Notice how the teacher listens without interrupting and gives praise.

Teacher: आपके चार मिनट कम्प्लीट हो गए हैं. अब आपने आपस में जो जो कुछ डिस्कशन किया है वो अब आप मुझे बताएंगे.

नैना आप खड़े हो जायें. ये ग्रुप खड़ा होगा, नैना ग्रुप. आप बताएंगे?

Student 1: जब हम होली खेलते हैं तो रंग हमें घोलकर नहीं लगाना चाहिए. हमें गुलाल से होली खेलनी चाहिए जिससे हमारे जल का दुरुपयोग नहीं होगा क्योंकि हम घुले रंग से होली खेलेंगे तो हमारे शरीर पर रंग लगेगा और नहाने में पानी व्यर्थ होगा इसीलिए हमें गुलाल से होली खेलनी चाहियें जिससे पानी का संरक्षण होगा.

Teacher: बहुत बढ़िया, शाबाश बीटा. वैरी गुड.

Commentary:

The teacher questions her students to extend their thinking.

Student 13: मैम वो नल आतें हैं तब बहुत सारे लोग झगडा करने लगतें हैं और वो पानी का दुरुपयोग होता है और वो

Teacher: कैसे पानी का दुरुपयोग होता है, झगडा होता है तो?

Student 13: मैम वो पानी व्यर्थ जाता रहता है

Teacher: लोग झगड़ते रहते हैं और पानी बहता रहता है. न वो भर पाता है न वो भर पाता है.

Student 13: यस, और वो कुछ लोग अपने घर में मोटर लगा लेतें हैं जो दुसरे का पानी भी उनकी मोटर खींच लेती हैं और दुसरे को पानी नहीं मिल पता.

Teacher: अब आप लोग बैठ जाइए. शाबाश, वैरी गुड. अभी हम लोगो ने जल संगरक्षण के बारे में बात चीत की आपस में सबने..

Commentary:

Finally, the teacher writes up the key points from the lesson to help reinforce her students' learning.

How might you incorporate opportunities for monitoring and feedback at different points in your lessons?